विद्या भवन बालिका लिद्यापीठ,लखीसराय

वर्ग नवम विषय संस्कृत शिक्षक श्यामउदय सिंह

ता: 11-04-2021 (एन.सी.ई.आर.टी.पर आधारित)

- श्लोक 3. ललित-पल्लवे पादपे पुष्पपुञ्जे
  मलयमारुतोच्चुम्बिते मञ्जुकुञ्जे,
  स्वनन्तीन्ततिम्प्रेक्ष्य मलिनामलीनाम्।।
  निनादय....।।
- शब्दार्थ पादपे –पौधे पर
  मलिनाम् -काले रंग वाले
  अलीनाम् -भौंरों की
  ततिम् -पंक्ति
  प्रेक्ष्य - देखकर
- सरलार्थ - (हे वाणी)! सुन्दर पत्तों वाले वृक्ष(पौधे)पर लगे हुए फूलों के गुच्छों पर तथा सुंदर लताओं से आच्छादित स्थान (बगीचों) में चंदन के वृक्ष की सुगंधित हवा से स्पर्श किए गए गुंजन करते हुए भौरों की काले रंग की पंक्ति को देखकर (तुम नई वीणा को बजाओ)